आकाशवाणी शिमला

09.09.2025 / प्रादेशिक समाचार / 1500बजे

प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हिमाचल प्रदेश में आपदा से हुए नुकसान का जायज़ा लेने के लिए आज कांगड़ा ज़िला के धर्मशाला पहुंचे। गग्गल हवाई अड्डे पहुंचने पर राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू सहित अन्य गणमान्य लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने धर्मशाला में प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान को लेकर राज्य सरकार के उच्च अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने प्राकृतिक आपदा के कारण प्रभावित हुए लोगों को हरसंभव सहायता देने की केंद्र सरकार की वचनबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री ने राज्य के अधिकारियों से चर्चा कर प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे राहत व बचाव अभियानों की जानकारी भी ली। प्रधानमंत्री ने बाढ़ से प्रभावित स्थानीय निवासियों, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और राज्य आपदा मोचन बल के कर्मियों के साथ बातचीत भी की। प्रधानमंत्री ने प्रदेश के आपदा प्रभावित चम्बा, कुल्लू, मण्डी ज़िलों के विभिन्न क्षेत्रों में हवाई सर्वेक्षण भी किया।

इस बीच, मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि आपदा की इस कठिन घड़ी में प्रधानमंत्री के हिमाचल आगमन से सभी को बहुत अपेक्षाएँ हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि वे प्रभावित परिवारों के हित में ज़रूर निर्णय लेंगे।

विक्रमादित्य सिंह

लोक निर्माण व शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा है कि प्रदेश में प्राकृतिक आपदा के कारण अभी भी कई सड़कें बंद पड़ी हैं जिन्हें खोलने के लिए सरकार युद्धस्तर पर कार्य कर रही है। आज शिमला में लोक निर्माण विभाग के लिए ली गई 35 गाड़ियों को हरी झण्डी दिखाने के अवसर पर उन्होंने ये बात कही। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि पहले चरण में साढ़े 3 करोड़ रूपए की लागत से 35 गाड़ियां खरीदी गई हैं जिनको प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में भेजा जाएगा ताकि फील्ड वर्क में तेज़ी लाई जा सके।

जीएसटी

वस्तु और सेवा कर यानी जी.एस.टी. की दरों में हाल ही में किए गए सुधार आगामी 22 सितम्बर से लागू होंगे। नई जी.एस.टी. दरों का चिकित्सा क्षेत्र पर भी अनुकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है। शल्य चिकित्सा, दंत चिकित्सा और पशु चिकित्सा सहित सभी चिकित्सा उपकरणों पर जी.एस.टी. की दरें घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई है। पट्टियों, डायग्नॉस्टिक किट, ग्लूकोमीटर और अन्य आवश्यक चिकित्सा उपकरणों पर भी जी.एस.टी. दर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई है। इसके अलावा, 33 जीवन रक्षक दवाओं पर कोई जी.एस.टी. लागू नहीं होगा। कैंसर और गंभीर बीमारियों से जुड़ी तीन महत्वपूर्ण दवाओं को भी जी.एस.टी. से मुक्त रखा गया है।

मौसम

प्रदेश के अधिकांश भागों में आज मौसम आमतौर पर साफ बना हुआ है जिससे आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव कार्य युद्धस्तर पर चलाए जा रहे हैं। कुल्लू जिला के निरमंड उपमंडल के घाटू पंचायत के शर्मानी में बीती रात हुए भूस्खलन की घटना में 5 लोगों की मृत्यु हो गई है जबकि तीन अन्य घायल है। घटनास्थल पर एनडीआरएफ की टीम ने बचाव अभियान चलाया और सभी शवों को निकाल लिया गया है। इस घटना में दो मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं जबकि तीन अन्य मकानों को खाली करवाया जा रहा है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में मौसम के साफ बने रहने की सम्भावना जताई है।

मैडिकल कॉलेज

चम्बा मैडिकल कॉलेज को आज सुबह एक मेल के ज़रिए बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद कॉलेज प्रबंधन ने पुलिस विभाग की टीम की मदद से सभी कर्मचारियों और रोगियों को सुरक्षित बाहर निकाला। कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर पंकज गुप्ता ने बताया कि बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद कॉलेज में सर्च ऑपरेशन चलाया गया और इस दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि वहां देखने को नहीं मिली। उन्होंने बताया कि मैडिकल कॉलेज में पहले की तरह से सभी सेवाएं सुचारू कर दी गई हैं। पंकज गुप्ता ने लोगों से अपील की है कि वे ऐसी अफवाहों पर ध्यान न दें और मैडिकल कॉलेज सुरक्षित है जहां वे उपचार के लिए आ सकते हैं।

शोक

इस बीच, मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बीती रात कुल्लू जिला की निरमंड तहसील के शर्मानी गांव में बादल फटने से हुई जनहानि पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि राज्य सरकार इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी कामना भी की है। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने शर्मानी गांव में हुए हादसे में प्रभावित परिवारों के साथ अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने लापता लोगों की कुशलता और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की की।